



Moving Every Mile With A Smile

# संवाद

## Maheshwari Logistics Ltd.



Coal



Logistics



Paper

January - March 2025  
ISSUE 26

यत् भावो - तत् भवति ।

You become what you believe.



### स्पर्श

यत् भावो - तत् भवति

(जो सोचते हैं, वही बनते हैं)

हमारी सोच और विश्वास हमारे जीवन को आकार देते हैं। अगर हम सकारात्मक सोचते हैं, तो जीवन में सकारात्मक चीजें घटित होती हैं, और अगर नकारात्मक सोचते हैं, तो नकारात्मक परिणाम ही मिलते हैं। यही कारण है कि कहा गया है **यत् भावो - तत् भवति** यानी जैसा हमारा भाव होगा, वैसा ही हमारा भविष्य बनेगा।

जब कोई व्यक्ति यह विश्वास करता है कि वह सफल होगा, तो उसकी सोच और कर्म उसी दिशा में आगे बढ़ते हैं। धीरे-धीरे वह अपने लक्ष्य को हासिल कर लेता है। वहीं, अगर कोई हमेशा असफलता के डर में जीता है, तो वह कोशिश करने से पहले ही हार मान लेता है और सफलता उससे दूर चली जाती है।

महान लोगों की सफलता का राज़ यही है कि उन्होंने खुद पर विश्वास किया और विपरीत परिस्थितियों में भी अपने विचारों को सकारात्मक बनाए रखा। इतिहास गवाह है कि जो इंसान अपने मन में ठान लेता है, वह कुछ भी हासिल कर सकता है।

इसलिए, अगर हमें अपने जीवन को सफल और खुशहाल बनाना है, तो हमें अपनी सोच को ऊंचा और सकारात्मक रखना होगा। जो हम सोचेंगे, वही बनेंगे।

Mukta Maheshwari  
Editor - Samvad



### समन्वय

नमस्ते,

माहेश्वरी लॉजिस्टिक्स में, हम मानते हैं कि **सफलता छोटे-छोटे प्रयासों का योग है**, जो रोज़-रोज़ किए जाते हैं, जैसा

कि स्वामी विवेकानंद जी ने कहा- हमारी सफलता का रास्ता साफ है। हमें हमेशा नई चीजें सीखनी हैं, खुद को बेहतर बनाना है, और बदलते वक्त के साथ चलना है। हमें हर दिन अपनी मेहनत और समर्पण से आगे बढ़ना होगा, ताकि हम हर चुनौती का सामना कर सकें और आगे बढ़ सकें।

हमारा स्लोगन है *"Moving Every Mile With A Smile"* यह सिर्फ हमारा वादा नहीं है, बल्कि हम इस सोच के साथ हर काम करते हैं। हमें हर काम को उत्साह और सकारात्मकता से करना चाहिए, चाहे वो छोटा हो या बड़ा। यही तरीका है जिससे हम हर मुश्किल को आसान बना सकते हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने कहा, **भविष्य का अंदाजा लगाने का सबसे अच्छा तरीका है, उसे बनाना**। यही हमारी सोच होनी चाहिए। हमें साथ मिलकर काम करते हुए नए मौके तलाशने हैं, ट्रेंड्स से एक कदम आगे रहना है, और लगातार नया सोचते हुए काम करना है।

आगे बढ़ते हुए, हमें रोज़ खुद को, अपने तरीके को और अपनी सोच को सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। ऐसा करके हम न सिर्फ और मौके पाएंगे, बल्कि ये सुनिश्चित करेंगे कि हम भविष्य में भी सफल और आगे बढ़ते रहें।

धन्यवाद!

Shubham Maheshwari  
Director, Maheshwari Logistics Limited.

### श्रद्धांजलि



शान्ति सिंह

"We cannot solve problems with the kind of thinking we employed when we came up with them."

Albert Einstein



## IN HOUSE TALENT *Congratulations!!!*



Lisha Singh cleared her CA Foundation



Arjun Dubey got Orange belt in Karate

## गुड़ी पड़वा:

नवसंवत्सर का शुभारंभ और बारह मासों की महिमा

प्रथम महीना चैत से गिन राम जनम का जिसमें दिन।।

द्वितीय माह आया वैशाख। वैसाखी पंचनद की साख।।

ज्येष्ठ मास को जान तीसरा। अब तो जाड़ा सबको बिसरा।।

चौथा मास आया आषाढ़। नदियों में आती है बाढ़।।

पांचवें सावन घेरे बदरी। झूला झूलो गाओ कजरी।।

भादौ मास को जानो छटा। कृष्ण जन्म की सुन्दर छटा।।

मास सातवां लगा कुंआर। दुर्गा पूजा की आई बहार।।

कार्तिक मास आठवां आए। दीवाली के दीप जलाए।।

नवां महीना आया अगहन। सीता बनीं राम की दुल्हन।।

पूस मास है क्रम में दस। पीओ सब गन्ने का रस।।

ग्यारहवां मास माघ को गाओ। समरसता का भाव जगाओ।।

मास बारहवां फाल्गुन आया। साथ में होली के रंग लाया।।

बारह मास हुए अब पूरे।

छोड़ो न कोई काम अधूरे।।



अनु त्रिपाठी, वापी

## चश्मा।

पॉजिटिव विचार, पॉजिटिव स्पेस, पॉजिटिव लाइट  
मतलब आपके भीतर के संस्कार हमारे अनुभव  
आस-पास की ऊर्जा को अपने साफ़ मन से बदलने की कोशिश  
कहीं अच्छा लगना, कहीं बुरा लगना, जैसा हमारा चश्मा वैसी हमारी नज़र  
कभी किसी को पसंद करना कभी नापसन्द, खुशी का मापदंड ही अलग होना  
स्वयं का चश्मा साफ़ करने की ज़रूरत है  
क्योंकि सबकी खुशी अपनी अपनी है,  
शराबी को शराब पीने में, जुआरी को जुआ में,  
कसाई को ज्यादा जानवर काटने में,  
खुशी का आइना अलग है  
इसे जीवन का परममूल्य मत मानें  
अपनी खुशियाँ अपने चश्मे के प्रति सावधान रहें!



अनुराधा जाजू, सूरत

## सुंदरकाण्ड : मैं न होता, तो क्या होता?

अशोक वाटिका में जब रावण ने सीता माता को मारने के लिए तलवार उठाई, तो हनुमान जी को लगा कि उन्हें रावण का संहार कर देना चाहिए। लेकिन अगले ही क्षण मंदोदरी ने रावण का हाथ पकड़ लिया। तब हनुमान जी ने समझा कि भगवान जिससे जो कार्य लेना चाहते हैं, वह उसी से लेते हैं!

जब त्रिजटा ने भविष्यवाणी की कि एक वानर लंका जलाएगा, तो हनुमान जी असमंजस में थे। लेकिन जब रावण ने उनकी पूँछ में आग लगाने का आदेश दिया, तो वे समझ गए कि प्रभु ने पहले ही सब प्रबंध कर दिया था!

इसलिए कभी यह भ्रम न रखें कि "मैं न होता तो क्या होता?" हम सब मात्र निमित्त हैं, सबकुछ ईश्वरीय विधान से होता है।

ना मैं श्रेष्ठ हूँ, ना ही मैं ख़ास हूँ, मैं तो बस छोटा सा, भगवान का दास हूँ।

**जय श्री राम! जय हनुमान!**



शालिनी माहेश्वरी, वापी

## मुर्गे का घमंड

एक बार की बात है, दो मुर्गे एक पहाड़ी को लेकर लड़ रहे थे। वे दोनों अपनी पूरी ताकत से लड़ रहे थे, क्योंकि जो भी जीतेगा वह पहाड़ी का राजा बनेगा।

अंत में एक मुर्गा जीत गया और दूसरा मुर्गा लड़ाई में गंभीर रूप से घायल हो गया और हार गया। जीतने वाले मुर्गा ने अपनी जीत की घोषणा करने के लिए एक ऊँची उड़ान भरी और तेज आवाज में चिल्ला कर सबको अपनी जीत के बारे में बताया।

इतने में एक बाज़ उड़ता हुआ आया और इस घमण्डी मुर्गे को देखा। उसने झपट्टा मारा और मुर्गे को पकड़ कर दूर ले गया। दूसरा मुर्गा जो हार गया था वह नीचे से सब कुछ देख रहा था, वह जल्दी से बाहर आया और खुद को पहाड़ी का राजा घोषित कर दिया।

शिक्षा : जरूरत से ज्यादा घमंड खतरनाक होता है



विरम सिंह चौहान, बाड़मेर



## दवा रहित जीवन :

१. जल्दी सोना, जल्दी उठना
२. ॐ मंत्र का जप करना
३. योग, प्राणायाम, व्यायाम
४. सुबह-शाम टहलना
५. उपवास रखना
६. सूर्य का प्रकाश लेना
७. घड़े का पानी पीना
८. ताली बजाना
९. खूब चबा चबा कर भोजन करना
१०. भोजन की तरह चबाकर पानी पीना

११. भोजन के बाद वज्रासन में बैठना
१२. सदा खुश रहना
१३. कभी-कभी मौन रहना
१४. हंसी-मजाक करना
१५. मन का संतोष
१६. मन की शांति
१७. ईमानदारी एवम सकारात्मकता
१८. निस्वार्थ प्रेम भावना
१९. सबका भला करना
२०. सब की दुआ लेना

२१. सबके साथ मिलजुल कर रहना
२२. परिवार के साथ मिल कर रहना
२३. अच्छा दोस्त दवा की दुकान
२४. खुश रहना, व्यस्त रहना
२५. हर दिन का आनंद लेना

यही दवा रहित जीवन के मंत्र है



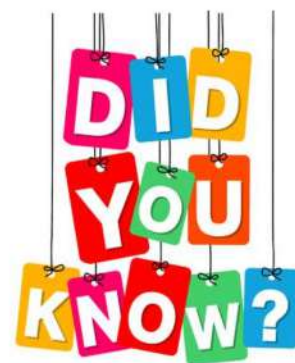
गोपाल लाल काबरा, जयपुर

## Why Kids Should Learn Financial Management Early

Children are taught various subjects like Maths, Science, and English, but one crucial subject is often overlooked: financial management. While we gain academic knowledge, we rarely learn how to manage money in real life, leaving many unprepared for financial responsibilities as adults. Money management is a learned skill that needs practice.

Teaching kids financial management early can make a big difference. For example, giving a child a weekly allowance of ₹100 teaches them to budget and allocate funds for various needs. Encouraging them to save a portion, such as ₹20, helps them set aside money for future goals. This also teaches them to distinguish between needs and wants and makes them more thoughtful about their purchases.

Finally, saving or waiting to buy something fosters delayed gratification, teaching patience. By involving children in financial decisions, they develop a strong foundation for managing money in the future, making financial education an essential part of their learning.



Nidhi Agrawal, Mumbai

## खेल खेल में

### SUDOKU

2				1	4		
7				9			
	3			5	6		2
	7		2	1	8	5	6
1		2			5	9	3
	6				9		
6				8			
9			5		3	8	
4	1	8		2			6



पिछले साल 'खेल खेल में' में सबसे ज्यादा हिस्सा ले कर ईनाम पाने वालों के नाम हैं - Navika Maheshwari, Manish Maharshi, Viram Singh



Last edition Riddles solved by  
Vapi : Aaditya Yadav, Babloo Yadav, Manish Maharshi, Sachin Tripathi  
Kanpur : Kavisha Maheshwari

रिडल्स के सही जवाब आपको 15th April तक भेजने है।

जिनके भी जवाब सही होंगे, उनमें से लकी ड्रॉ के द्वारा 5 नाम चुन कर संवाद के अगले अंक में उत्तर के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।



## GLIMPSE OF EVENTS



Fire safety training at Ambethi Factory, Vapi



Participation in Marathon, Vapi

## Know Your MLL Paper Division - PD

**MLL-PD** is the Kraft Paper manufacturing division of Maheshwari Logistics Limited, recognized for its production of high-quality **fluting and lining paper** derived from **recycled waste paper**. The division is committed to sustainable practices, ensuring that each product adheres to stringent industry standards while minimizing environmental impact.

### Kraft Paper Manufacturing Process

- Pulping** : The process begins with the introduction of waste paper into a pulper, where it is treated with chemicals to break it down into a slurry-like mixture, commonly referred to as paper slush. This stage is essential for converting the waste paper into a workable pulp.
  - Cleaning** : The resulting paper slush is then subjected to a series of advanced machines designed to remove contaminants such as plastics, metals, and fines. This ensures that only clean, high-quality pulp remains, ready for further processing.
  - Spreading** : The clean pulp is subsequently spread onto a 5-meter-wide wire conveyor. As the pulp travels through a series of drying sections, the moisture content is significantly reduced, allowing the fibers to bond together and form a continuous sheet of paper.
  - Rolling** : Following the drying process, the paper is rolled into large paper rolls. These rolls are then precision-cut into various sizes according to specific customer requirements, with the final product prepared for dispatch.
- This methodical and efficient production process not only ensures the consistent quality of MLL-PD's Kraft Paper but also supports the division's commitment to environmental sustainability through the use of recycled materials.

**Shubham Maheshwari**  
Director, Maheshwari Logistics Limited.

